

4

Department of Higher Education, Govt. of M.P.  
 Syllabus for Graduate Classes  
 As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, मप्र शासन  
 स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम  
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-20 / 2020-21 / 2021-22

Class/कक्षा : B.A. II Year / बी.ए. द्वितीय वर्ष  
 Paper/ प्रश्न पत्र : I / प्रथम  
 Subject/विषय : History/इतिहास  
 Title Of Subject Group/  
 विषय समूह का शीर्षक : History of India (1200 to 1739 A.D.)  
 Max.Marks/ अधिकतम अंक : भारत का इतिहास - (1200 से 1739 ई. तक)  
 : 40 Theory +10 CCE-Total -50 /50 Private

Particular/विवरण

| Unit     |           | Syllabus  | Periods |
|----------|-----------|---|---------|
| Unit I   | (English) | Sources of medieval Indian history, foundation and consolidation of the Delhi Sultanate - Qutubuddin Aibak and Iltutmish, Razia and Balban, The Khilji Revolution, Alauddin Khilji, his conquests and reforms. The Mongol invasion.   | 18      |
|          | (हिन्दी)  | मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत। दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं सुदृढीकरण - कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश रजिया सुल्तान, बलबन, खिलजी क्रान्ति, अलाउद्दीन खिलजी की विजय एवं सुधार। मंगोल आक्रमण।   |         |
| Unit II  | (English) | Mohammad Bin Tughluq, Firozshah Tughluq. Decline of Delhi Sultanate Vijaynagar and Bahamani kingdoms. Timurs invasion and its impact. Lodhi dynasty, Invasion of the Mughals, Babur, Humayun and Sher shah Suri. role of Rana Kumbha and Rana Sanga in Indian history.                              | 18      |
|          | (हिन्दी)  | मोहम्मद बिन तुगलक और फिरोजशाह तुगलक। दिल्ली सल्तनत का पतन, विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य। तैमूर आक्रमण और उसका प्रभाव, लोधी वंश मुगल आक्रमण-बाबर, हुमायूँ और शेरशाह सूरी, भारतीय इतिहास में राणा कुम्भा और राणा सांगा की भूमिका।  |         |
| Unit III | (English) | Akbar - Consolidation and territorial expansion of the Mughal empire, his religious and Rajput Policy. Jahangir, Shahjahan, Mughal-Sikh relations. Rise of Marathas, Shivaji-his conquests and administration. Aurangzeb and the decline of the Mughal empire, Nadirshah's invasion and its impact. | 18      |
|          | (हिन्दी)  | अकबर-मुगल साम्राज्य सुदृढीकरण एवं विस्तार-उसकी धार्मिक एवं राजपूत नीति। जहाँगीर और शाहजहाँ, मुगल-सिख संबंध। मराठों का उत्कर्ष, शिवाजी की विजय एवं उनका प्रशासन। औरंगजेब और मुगल साम्राज्य का पतन, नादिरशाह का आक्रमण एवं उसके प्रभाव।   |         |

*Handwritten signatures and stamps:*  
 A. K. Sharma  
 J. K. Singh  
 Prof. & H.O.D. History  
 Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior  
 19.10.2021



8

|        |           |   |    |
|--------|-----------|---|----|
|        |           | Sufi movemnets. The sant tradition in India during Sultanate period-agriculture, industry, trade, economic and administrative system.   |    |
|        | (हिन्दी)  | सल्तनतकालीन सामाजिक व धार्मिक जीवन-भक्ति एवं सूफी आन्दोलन। भारत में संत परंपरा। सल्तनत काल-कृषि, उद्योग व्यापार, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था।  |    |
| Unit V | (English) | Mughal administration, Mansabdari System, Social and religious life, Status of women, economic life, agriculture, trade, commerce and architecture during Mughal period role of Rani Durgawati, Jijabai and Chandbibi in history. | 18 |
|        | (हिन्दी)  | मुगल प्रशासन, मनसबदारी व्यवस्था, सामाजिक एवं धार्मिक जीवन, स्त्रियों की स्थिति, मुगल काल में आर्थिक जीवन, कृषि, व्यापार, वाणिज्य एवं स्थापत्य कला, इतिहास में रानी दुर्गावती, जीजाबाई एवं चाँदबीबी की भूमिका।                     |    |

|                      |          |  |
|----------------------|----------|--|
| Recommendation Books | (हिन्दी) | <ul style="list-style-type: none"><li>• डॉ. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव- सल्तनतकालीन भारत</li><li>• डॉ. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव- मध्यकालीन भारत का इतिहास</li><li>• इब्ने हसन मुगल- मुगल साम्राज्य का ढाँचा</li><li>• डॉ. किशोरी शरण लाल- खिलजीवंश</li><li>• डॉ. ऐ.वी. पाण्डेय- मध्यकालीन भारत का इतिहास</li><li>• डॉ. एल.पी. शर्मा - मुगलकालीन भारत</li><li>• डॉ. राधेशरण - मध्यकालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति</li><li>• आर.पी. त्रिपाठी - मुगल साम्राज्य का उत्थान एवं पतन</li><li>• डॉ. सतीश चंद्र - मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन, धर्म और राज्य का स्वरूप।</li><li>• डॉ. राधेशरण - मध्यकालीन भारत का इतिहास</li><li>• हरीशचंद्र वर्मा - मध्यकालीन भारत भाग-1 एवं 2</li><li>• सर जादूनाथ सरकार -मराठों का इतिहास</li><li>• Sir Jadunath Sarkar-History of Marathas.</li></ul> |
|----------------------|----------|--|

- ① Prof. Subhas chandra Sharma *Subhas Sharma*
- ② Prof. B.C. Joshi *B.C. Joshi*
- ③ Dr. Kailash Rai *Kailash Rai*
- ④ Prof. Alkesh chaturvedi *Alkesh Chaturvedi*
- ⑤ Dr. R.B. Shah *R.B. Shah*
- ⑥ Prof. Jyotsna Agrawal *Jyotsna Agrawal*
- ⑦ Prof. Shradha Subey *Shradha Subey*

*14-10-2021*  
Prof. & H.O.D. History  
Govt. K.R.G. Auto. College, Gwalior

*1/10/21*  
*Shradha*



Department of Higher Education, Govt. of M.P.  
 Syllabus for Graduate Classes  
 As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.  
 उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन  
 स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम  
 केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित  
 Session 2019-20 / 2020-21 / 2021-22

Class/कक्षा : B.A. II Year / बी.ए. द्वितीय वर्ष  
 Paper/ प्रश्न पत्र : II /द्वितीय  
 Subject/विषय : History/इतिहास  
 Title Of Subject Group/ : MAIN CURRENTS OF WORLD  
 विषय समूह का शीर्षक : HISTORY FROM 1871 TO 2001 A.D.  
 Max.Marks/ अधिकतम अंक : विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएं 1871 से 2001 तक  
 : 40 Theory +10 CCE-Total -50 /50 Private

Particular/विवरण

Objective - Imperialism and colonialism were caused as a bye product of nationalism and industrial revolution in Europe. This laid basis for a well defined capitalism. Ideological clashes between nations resulted in the two world wars. In this period Russian Revolution as well as anti imperial and colonial struggle took place. A good understanding of all the above phenomenon has to be made.

उद्देश्य- यूरोप में राष्ट्रवाद तथा औद्योगिक क्रांति के परिणाम साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद के रूप में सामने आये। उपरोक्त के कारण स्पष्ट परिभाषित पूँजीवाद का प्रादूर्भाव हुआ। राष्ट्रों के वैचारिक मतभेदों के कारण दो विश्व युद्ध हुए। इस विवेच्य काल में रूसी क्रांति हुई तथा साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष भी हुआ। अध्ययन के उपरोक्त सभी घटनाओं की अच्छी समझ अपेक्षित है।

| Unit     | Language  | Syllabus   | Periods |
|----------|-----------|--|---------|
| Unit I   | (English) | Third Republic of France, Kaiser William I, home and foreign policy of Bismarck. Kaiser, William II,   | 18      |
|          | (हिन्दी)  | फ्रांस का तृतीय गणतंत्र। केसर विलियम प्रथम, बिस्मार्क की गृह एवं विदेश नीति, केसर विलियम द्वितीय।  |         |
| Unit II  | (English) | Africa and Turkey-Scramble for Africa Eastern Question, Russo-Turkish war, Berlin Congress (1878), Young Turk Movement and the Balkan wars I and II, Russian Revolution of 1905. | 18      |
|          | (हिन्दी)  | अफ्रीका एवं तुर्की-अफ्रीका का विभाजन, पूर्वी समस्या, रूस-तुर्की युद्ध, बर्लिन कांग्रेस (1878), युवा तुर्क आंदोलन, बाल्कन युद्ध प्रथम एवं द्वितीय, 1905 की रूस की क्रांति।        |         |
| Unit III | (English) | Europe- First World war- Causes and results, Russian revolution 1917, Wilson's fourteen principles, Paris Peace Conference, Treaty of Versailles, League of Nations.             | 18      |
|          | (हिन्दी)  | यूरोप-प्रथम विश्व युद्ध-कारण, परिणाम एवं प्रभाव। 1917 की रूस   |         |

*(Handwritten signatures and dates)*  
 04.06.2019  
 4-6-19  
 14/10/21  
 Prof. & H.O.D. History  
 R.G. A.P.S. College, Gwalior



|         |           |  |    |
|---------|-----------|--|----|
|         |           | की क्रांति। विल्सन के चौदह सूत्र, पेरिस का शांति सम्मेलन एवं वर्साय की संधि, राष्ट्र संघ।  |    |
| Unit IV | (English) | China and Japan, Imperialism and colonialism in China and Japan, First and Second Opium wars, Taiping Rebellion, Boxer movement. Chinese Revolution-1911, Demands for concessions in China, Japan-the Meiji Restoration, Modernization of Japan, Rise of Militarism, Russo-Japanese War 1905, Sino - Japanese war 1937. Fascism in Italy, Mussolini's home and foreign policy. Nazism and Germany, home and foreign policy of Hitler, causes and results of the world war II | 18 |
|         | (हिन्दी)  | चीन और जापान - चीन और जापान में उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद, प्रथम व द्वितीय अफीम युद्ध, ताईपिंग विद्रोह, बॉक्सर विद्रोह, चीनी क्रांति 1911, जापान में मेइजी पुनर्स्थापना, आधुनिकीकरण, सैन्यवाद का उदय, चीन-जापान युद्ध 1894, रूस-जापान युद्ध 1905, चीन-जापान युद्ध 1937, इटली में फासीवाद, मुसोलिनी की गृह एवं विदेश नीति, जर्मनी में नाजीवाद, हिटलर की गृह एवं विदेश नीति, द्वितीय विश्वयुद्ध-कारण, परिणाम।   |    |
| Unit V  | (English) | The Chinese Revolution of 1949, Emergence of third world and non-alignment, UNO and global dispute, Cold war, End of the cold war,   | 18 |
|         | (हिन्दी)  | 1949 की चीनी क्रांति, तृतीय विश्व एवं गुटनिरपेक्ष का उदभव, संयुक्त राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रीय विवाद, सोवियत संघ का विघटन, शीतयुद्ध व शीतयुद्ध का समापन।  |    |

|                      |          |   |
|----------------------|----------|---|
| Recommendation Books | (हिन्दी) | <ul style="list-style-type: none"> <li>• जैन एवं माथुर - विश्व का इतिहास</li> <li>• सी.डी. हेजन - यूरोप का इतिहास</li> <li>• ग्रान्ट एवं टेम्परले - यूरोप का इतिहास</li> <li>• दीनानाथ वर्मा - यूरोप का इतिहास</li> <li>• भटनागर एवं गुप्त - अर्वाचीन यूरोप का इतिहास</li> <li>• डॉ. विमल चंद्र पाण्डेय - यूरोप का इतिहास</li> <li>• डॉ. मनाजिर अहमद - यूरोप का इतिहास</li> <li>• बालकृष्ण पंजाबी - फ्रांस की क्रांति</li> <li>• डॉ. भगवान सिंह वर्मा - विश्व इतिहास</li> <li>• मथुरालाल शर्मा - यूरोप का इतिहास भाग 1-2</li> <li>• पार्थसारथी एवं गुप्ता - यूरोप का इतिहास</li> <li>• देवेन्द्र सिंह चौहान - यूरोप का इतिहास</li> <li>• सी,डी,एम कैटलबी - आधुनिक यूरोप</li> <li>• बी. एन. मेहता - यूरोप का इतिहास</li> <li>• पुष्पेश पंत - अंतराष्ट्रीय संबंध</li> </ul> |
|----------------------|----------|---|

of. Subhas chandra Sharma 98/04.06.19  
 f B.C. Joshi 13/04.06.19  
 f. Kailash Rai 4.6.19  
 - AlKesh chaturvedi 4.6.19  
 R.B. Shah

14-10-2021  
 Prof. Jyotsna K. R. Agrawal  
 Prof. Shradha Subey  
 4.6.19